a2zpapers.com

**Exam. Code : 103201**
**Subject Code : 1042**

## B.A./B.Sc. Semester—I

## SANSKRIT ELECTIVE

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—100

**नोट :—** **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के सभी भागों का उत्तर एक साथ दें। शुद्ध शब्द-जोड़ एवं सुलेख प्रशंसित होगा।

I. अधोलिखित श्लोकों में से किन्हीं **पाँच** की प्रसंग एवं अनुवाद सहित व्याख्या करें :

(क) सेवा हि परमो धर्मः सेवैव परमं तपः।
सेवया लभते लोके 'वाहगुरुं' नु मानवः।।

(ख) दीन-कष्ट-निराकर्श्री वक्ष्यमाणस्य पावनी।
बुद्धिर्वसतु काव्यस्य श्रोतृषु पाठकेषु च।।

(ग) चरितं पूर्णसिंहस्य प्रीतिप्रदं परामपि।
नाह्लादयन्ति कं वार्ताः सेवायज्ञे हुतात्मनाम्।।

(घ) श्रीदेहरे गुरुद्वारे पूर्णोऽर्जनीयमर्जितम्।
क उपलभ्य सत्संगं लाभान्वितो न जायते।।

(ङ) अर्थाभावेऽपि कार्यस्य विशालस्य महीतले।
निर्माणसाहसे योग्याः सत्यं पूर्णसमाः नराः।।



a2zpapers.com
www.a2zpapers.com
We provide GNDU question papers, PTU question papers, PU question papers, L

a2zpapers.com

(च) दुःखिनः सुखिनः सर्वे निराश्रयाश्च साश्रयाः।
अनाथास्तु सनाथा हि भवन्तु स समीहते।।

(छ) विपत्तिरस्ति सम्पत्त्या दुखं सह सुखेन हि।
विकासेन विनाशश्च प्रतीपद्वन्द्वसंसृतिः।।

(ज) कार्यं लध्वपि केषाञ्चित् सफलतां न पश्यति।
गुर्वपि महतां कार्यं सम्यग् गच्छति पूर्णताम्।।

(झ) धिक् खलु हस्तपादं तत् सेवां करोति नात्र यत्।
सन्देशं गुरुवर्याणां हृदि कृत्वा समाचरत्।।

(ञ) सुलेखो लेखरामेण ललाटे लिखितो मम।
रेणुः पीडितपादानां पततु सततं मयि।। 5×7=35

II. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** का उत्तर दीजिए :-

(क) भक्त पूर्ण सिंह जी के सेवा के विविध प्रसंग बताएं।

(ख) निर्धारित भाग का कथासार लिखें (पूर्णसार्धशतकम् के आधार पर)

(ग) भक्त पूर्ण सिंह के जीवन की प्रमुख घटनाओं का वर्णन करें।

(घ) भक्त पूर्ण सिंह का सेवाभाव लिखें। 2×7½=15

III. (क) निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** अव्ययों का वाक्यों में प्रयोग करें :-

तत्र, सर्वत्र, पुनः, कदा, यथा, एवं। 3×2=6

(ख) किन्हीं **दो** वर्णों का उच्चारण-स्थान बताएं :-

ग्, व्, न्, प्। 2×2=4



a2zpapers.com
www.a2zpapers.com
We provide GNDU question papers, PTU question papers, PU question papers,

a2zpapers.com

IV. किन्हीं **10** संख्यावाची शब्दों को संस्कृत में लिखें :-

6, 10, 13, 18, 24, 26, 29, 32, 38, 40, 45, 47, 66, 54, 58, 82, 76, 96, 100, 88. 10×1=10

V. किन्हीं **पांच** की सन्धि/सन्धिच्छेद करें :-

सेवैव, नात्र, देवेन्द्रः, साधूदयः, पितृणम्

इति + उत्तमः, महा + ऋषिः, कवी + एतौ,

पौ + अकः, रजनी + ईशः। 5×2=10

VI. किन्हीं **चार** धातुओं के यथानिर्दिष्ट रूप लिखें :-

हस् - लङ्लकार। गम् - लोट्लकार।

अस् - लट्लकार। दा - लृट्लकार।

शक् - विधिलिङ्। कृ - लट्लकार।

नश् - विधिलिङ्। स्मृ - लोट्लकार। 4×5=20



a2zpapers.com
www.a2zpapers.com
We provide GNDU question papers, PTU question papers, PU question papers,